रैपुरा को कॉलेज, शाहनगर को नप की सौगात सहित 83 करोड़ के कार्यों का हुआ भूमिपूजन एवं लोकार्पण

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पन्ना की रत्नगर्भा भूमि किसी पहचान की मोहताज नहीं है। पन्ना ने खुद के साथ मध्यप्रदेश को भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन दिनों जहां देखो, उधर अपना पन्ना ही चमक रहा है। पन्ना की पुण्यधरा से निकलने वाले पारस (हीरा) से मध्यप्रदेश पूरे विश्व में मशहूर हो रहा है। मध्यप्रदेश को डायमंड स्टेट और टाइगर स्टेट का दर्जा दिलाने का श्रेय भी पन्ना को ही जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना डायमंड को जीआई टैग मिलने पर जिलेवासियों को बधाई देते हुए कहा कि जीआई टैग ने पन्ना की पहचान पर अब वैश्विक मुहर लगा दी है। अब पूरी दुनिया यहां के हीरों को श्पन्ना डायमंडश् के नाम से ही जानेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना डायमंड अब एक ब्रांड के रूप में उभर रहा है। इससे न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में पहचान बढ़ेगी, बल्कि वैल्यू-चेन, माइनिंग, प्रोसेसिंग, एक्सपोर्ट और जेम-आधारित उद्योग, सबमें निवेश के नए अवसर सामने आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना जिले को बहुत जल्द मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने वाली है। आज पन्ना और छतरपुर के बीच भव्य राजगढ़ पैलेस होटल का शुभारंभ भी हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को पन्ना जिले की पवई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहनगर में हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां करीब 83 करोड़ रूपए की लागत वाले 14 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 9 करोड़ रूपए की लागत से बनी बिसानी-श्यामगिरी-कल्दा-सले हा वाया मैन्हा मार्ग के उन्नयन कार्य का लोकार्पण एवं 74 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले 13 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री ने 4.25 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले पवई में तिघरा बैराज का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्या पूजन कर हितग्राही सम्मेलन की शुरूआत की। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मारतम् गायन के साथ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं:- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर रैपुरा में नवीन महाविद्यालय खोलने, वर्तमान ग्राम पंचायत शाहनगर को नगर परिषद बनाने तथा शाहनगर ब्लॉक में दो अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने करीब 135 करोड़ की लागत से टिकरिया-रीठी वाया खमरिया मार्ग का निर्माण करने, शाहनगर-बोरी-चमरईया सड़क मार्ग के चौड़ीकरण सहित पुराने बांधों की नहरों का सर्वे कराकर मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का काम कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवई और शाहनगर महाविद्यालय में विधि और विज्ञान संकाय भी शुरु किया जाएगा तथा शाहनगर के बंद उद्योग फिर से शुरू कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना जिले के विकास को नया रूप देगी। केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना से जिले में 1 लाख 35 हज़ार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी और 600 से अधिक गांवों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। हमारे पवई को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पन्ना टाइगर रिज़र्व, विश्व प्रसिद्ध हीरे, समृद्ध वन संपदा, केन नदी का अद्भुत कछार और राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियां सब मिलकर आने वाले वर्षों में जिले की अर्थव्यवस्था को एक नए स्वरूप में ढालने वाले हैं। उन्होंने कहा कि पन्ना टाइगर रिज़र्व वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। बाघों की बढ़ती संख्या, पार्क की वैश्विक प्रतिष्ठा और पर्यटकों का रुझान, स्थानीय युवाओं के लिए गाईडिंग, होटल रिसॉर्ट, ट्रांसपोर्ट और हैंडीक्राफ्ट जैसे क्षेत्रों में रोज़गार के नए अवसर बना रहा है। सरकार द्वारा होम-स्टे, एडवेंचर टूरिज्म और कनेक्टिविटी सुधारने के प्रयासों से क्षेत्र के विकास को गति मिल रही है। हम पन्ना जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह, पवई विधायक प्रह्लाद सिंह लोधी, गुनौर विधायक राजेश वर्मा, प्रणय प्रभात पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष पन्ना श्रीमती मीना राजे परमार, सहित जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू, बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

रेलवे ठेकेदार ने किया किसानों की जमीनों पर मिट्टी मुरुम का अवैध खनन, एसडीएम से की शिकायत

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 19 नवंबर। खजुराहो से सिंगरौली रेल लाइन में मिट्टी के अवैध खनन को लेकर शिकायतें सामने आ रही है। ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना के तहत खजुराहो-पन्ना रेलखंड में अवैध मिट्टी खनन की शिकायतों को लेकर ग्रामीणों का आरोप है कि रेलवे ठेकेदार द्वारा जंगलों एवं राजस्व भूमि से अवैध रूप से मिट्टी और मुरुम की खुदाई की जा रही है।

ऐसा ही मामला अजयगढ़ तहसील के मझगाय का सामने आया जहाँ सहदेव पिता मंदू रजक नाम के किसान ने अनुविभागीय अधिकारी से रेलवे ठेकेदार की शिकायत कर अपने कब्जे की जमीन पर खनन करने पर रोक लगाने की गुहार लगाई है। किसान ने बताया की हमारी जमीन में रवि की फसल बोई गई है जिसमे चना सरसों एवं गेहूँ की फसल लगी है। रेलवे ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा मेरे खेत में आकर धमकी दी जा रही है कि हम तुम्हारी फसल को उजाड़ कर मिट्टी कि खुदाई करेंगें हमें शासन ने खुदाई के लिये स्वीकृति दे दी है।

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाई गई लक्ष्मीबाई व इंदिरा गांधी जयंती

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। संस्कारों की जननी सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवेंद्रनगर के सभागार में आज राष्ट्रनायिका महारानी लक्ष्मीबाई एवं देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती उत्साह, गरिमा और सांस्कृतिक गरिमाओं के अनुरूप मनाई गई। विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति, प्रेरणा और संस्कारों के दिव्य वातावरण से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्राचार्य पूरन सिंह राजपूत एवं प्रधानाचार्य शिवेंद्र नामदेव ने मां वीणावादिनी के चित्र पर तिलक, वंदन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर दोनों महान व्यक्तित्वों को नमन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई और इंदिरा गांधी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और त्याग का परिचय दिया, जिनका जीवन प्रत्येक छात्र के लिए प्रेरणास्रोत है। वरिष्ठ आचार्य सूर्यकांत तिवारी ने दोनों महान विभूतियों के जीवन-चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्रों को बताया कि वीरता, संकल्प, निष्ठा और राष्ट्रप्रेम ही व्यक्तित्व को महान बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अध्ययन, अनुशासन और संस्कारों के माध्यम से ऐसे ही आदर्शों को अपने जीवन में धारण करें। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, भाषण एवं वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। अंत में विद्यालय परिवार ने संकल्प दोहराया कि सरस्वती शिक्षा परिषद एवं विद्या भारती की गौरवमयी परंपराओं के अनुरूप विद्यार्थियों में संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रधर्म की ज्योति प्रज्वलित करते रहेंगे।

अलवर के सांसद खेल महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं महाराज कुमारी पन्ना

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। पन्ना राजघराने की महाराज कुमारी कृष्णा कुमारी के मुख्य आतिथ्य एवम अलवर सांसद भूपेंद्र यादव केंद्रीय वन पर्यावरण एवम जलवायु मंत्री की अध्यक्षता मे सांसद खेल महोत्सव का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ।

जिसमे अलवर संसदीय क्षेत्र से के करीब 60 हजार खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों मे सहभागिता की,केबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव ने जो फिट है वो हिट है के नारे से खेलो मे भाग लेने को सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया, साथ ही पन्ना राजघराने से इस आयोजन मे महाराजकुमारी कृष्णा कुमारी की उपस्थिति को गौरवमय क्षण बताया इस अवसर पर कृष्णा कुमारी ने विभिन्न खेल मैदान में जाकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका हौसला बढ़ाया। अलवर के वी केयर ग्रुप द्वारा आयोजित विशाल महिला मेले का शुभारभ किया। ग्रुप के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ ,मंत्रोच्चारण से स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि ने मेले एवम विवेकानंद संग्रहालय एवम ई लायब्रेरी का अवलोकन किया और संस्था के इस कार्य की जमकर प्रशंसा की,संस्था द्वारा महिलाओं के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की और वी केयर ग्रुप के मैदान पर वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर ग्रुप के अनेक महिला पदाधिकारी गण ई लायब्रेरी के सदस्य गण एवम हजारों छात्र छात्राये उपस्थित रही।

ध्वनि प्रदूषण : खतरे से बेखबर शहरवासी

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। ध्वनि प्रदूषण को रोकने की तमाम कोशिशें नाकाम होती जा रही है। हालांकि प्रशासन द्वारा इसे रोकने के लिए कई नियम बनाये गये है, लेकिन उन नियमों का पूरी तरह क्रियान्वयन न हो पाने के कारण ध्वनि प्रदूषण विस्फोटक रूप लेता जा रहा है।

वर्तमान परिदृश्य में हर गली मोहल्लों सड़कों चौराहों पर ध्वनि की मानक आवृत्ति पचास डेसीबल से अभी अधिक तीव्रता का जोर उत्सर्जित किया जा रहा है, जिसके शिकार शहर के अनेक चौराहे होने लगे है जो लोगों को परेशानियों का सबब बन रहे है। इससे सर्वाधिक प्रभावित वे छोटे बच्चे है जिनके नाजुक शोर की अत्यधिक तीव्रता बर्दाश्त नहीं कर सकते है। मकानों के आसपास हर रोज खुलते जा रहे वाहन सुधारने के नये नये वर्कशापों के अलावा शोर युक्त वाहनों का बढ़ता दबाव प्रमुख है। बढ़ते शोर के कारण आम नागरिक अपने आपको अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, थकान, सिरदर्द आदि रोगों से पीड़ित महसूस करने लगा है। प्रशासन द्वारा तेजी से विकराल होती इस समस्या के प्रति कोई गम्भीर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

एक जानकारी के मुताबिक सामान्य मनुष्य को सुरक्षित रूप से ध्वनि सुनने की क्षमता पचास डेसीमल रहती है, लेकिन देखा गया है कि शहर के प्रमुख चौराहों में साठ से अस्सी डेसीबल के बीच शोर व्याप्त है। और तो और विशेष परिस्थितियों में शाम के वक्त इनकी तीव्रता बढ़ जाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन अधिकांश चौराहों के आसपास स्कूल व कॉलेज स्थापित है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई लिखाई में व्यवधान पड़ रहा है। साथ ही स्कूल के बच्चों में शोर सुनते रहने के कारण उनके मध्य कान के नाजुक अंगों के खराब होने का खतरा बन सकता है। यह स्थिति आने वाली पीढ़ी के लिये खतरनाक साबित हो सकती है। भौतिक सुख साधनों की अंधी दौड़ ने भी ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाने में काफी मदद की है जिससे अब कमरों में रहने वाले लोग भी इससे ग्रसित हो चले है। क्योकि लोगों का सुख सुविधाओं में उपलब्ध रेडियो, टीवी, मोटरसाइकिल, मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि चीजें भी ध्वनि प्रदूषण फैलाने में अहम भूमिका निभाती है। साधारण मनुष्य के कान एक सौ बीस डेसीबल तक का दबाव सुरक्षित रूप से झेल सकते है लेकिन इससे अधिक की तीव्रता हानिकारक है जो कानों को नुकसान तक पहुंचा सकती है। शहर में ध्वनि प्रदूषण उस समय और अधिक बढ़ जाता है जब शादी-ब्याह, त्यौहारों, पार्टियों एवं टेंट हाउस संचालको द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रों से प्रदूषण फैलाया जाता है।

जबकि कोलाहल प्रदूषण निवारण नियम के तहत लाउड स्पीकर भी बजाने के लिये विशेष अनुमति लेनी पड़ती है। चाहे वह किसी भी तरह का समारोह ही क्यों न हो, लेकिन इससे किसी को सरोकार नहीं। प्रशासन जहां विभिन्न समस्याओं के निराकरण के प्रति तत्परता को नगण्य मानकर चल रहा है, जिससे आज भी सड़कों पर बिना साइलेंसर लगे एवं कर्कश ध्वनि वाले वाहन भी बेखौफहोकर ध्वनि प्रदूषण फैला रहे है, मगर न जाने क्यों न तो ऐसे वाहन मालिक के विरूद्ध और न ही ऐसे यंत्र बेचने वालों के ऊपर कार्यवाही होती है।

इस सम्बन्ध में जागरूक नागरिकों का कहना है कि प्रशासन के साथ आम नागरिक भी इसके लिये दोषी है जो भविष्य में इनके घटित होने वाले दुष्परिणामों को अनदेखी कर रहे है। बिना जनसहयोग के इस पर काबू नहीं पाया जा सकता है।

विद्युत विभाग ने बिजली चोरों पर कसा शिकंजा

संयुक्त टीम ने 42 लोगों पर की कार्यवाही

नवभारत न्यूज

गुनौर/पन्ना 19 नवंबर। बिजली चोरी रोकने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर छापामार कार्यवाही की जाती हैं उसी कड़ी में आज गुनौर क्षेत्र मे विभाग के अधीक्षण अभियंता व कार्यपालन अभियंता के निर्देशन में मांस चेकिंग की गई।

जिसमें संयुक्त रूप से कनिष्ठ अभियंता गुनौर, सलेहा,पन्ना शहर क्रमशः सुनील वर्मा, विकास गुप्ता, राहुल चौरसिया ने संयुक्त रूप से अपने सहयोगी हमले के साथ गुनौर कस्बा सहित पडेरी, ककरहटा उड़की छिगम्मा में छापामार कार्यवाही की। कार्यवाही के दौरान कई लोग सीधे तार काटकर बिजली चोरी करते पकड़े गए जिसमें कई लोग घर में उपयोग के लिए चोरी करते पकड़े गए तो कुछ लोग बिना कनेक्शन के मोटर पंप चलाते पाए गए जिनके तार व मोटर पंप जप्त कर 42 लोगों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 138 126 के तहत कार्यवाही की गई है जिससे क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है। यदि इसी प्रकार विद्युत चोरों के ऊपर कार्यवाही निरंतर होती रहे तो जो उपभोक्ता नियमित रूप से बिलों का भुगतान कर रहे हैं एवं कई बार शिकायतें आती हैं कि उपभोक्ता से विभाग द्वारा बिल अधिक वसूला जा रहा है वे शिकायतें बंद हो सकती हैं।

एटीएम बदलकर राशि हड़पने वाले आरोपी गिरफ्तार

39 एटीएम एवं 1 लाख से अधिक राशि बरामद

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। गत 15 नवंबर को फरियादी शफी मोहम्मद पिता हसन बाबू (उम्र 75 वर्ष), निवासी अजयगढ़ द्वारा थाना अजयगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उनका एटीएम कार्ड बदलकर 1,03,150/- की राशि का आहरण कर लिया। इस रिपोर्ट पर थाना अजयगढ़ में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना सिंह एवं एसडीओपी अजयगढ़ राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अजयगढ़ बखत सिंह के नेतृत्व में सायबर सेल टीम के सहयोग से आरोपी भीष्म प्रताप सिंह उर्फ केपी सिंह पिता मुलायम सिंह परमार उम्र 21 वर्ष निवासी मकरी कुठार, थाना बृजपुर, जिला पन्ना (म.प्र.) को अजयगढ़-चंदला रोड स्थित बीरा चौकी के पास से अभिरक्षा में लिया गया। बाद में प्राप्त पुष्ट जानकारी के आधार पर आरोपी भीष्म प्रताप सिंह निवासी मकरी कुठार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले मे आरोपी के कब्जे से 39 एटीएम कार्ड 1,03,150/- नगद एवं घटना मे प्रयुक्त मोटर सायकिल कुल मशरूका 220000 रूपए की गई जप्त एवं विवेचना की जा रही जिसमे अन्य पीड़ितो की पहचान कर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक बखत सिंह ठाकुर, चौकी प्रभारी बीरा सउनि रामकृष्ण पाण्डेय, एच.सी. राठौर, प्र.आर. शंकर प्रताप, अशोक अहिरवार, तेजभान, आर. अमित द्वेवदी, भूपाल सिंह रोहित मिश्रा, अरुण प्रताप एवं सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

नाबालिग के साथ बलात्संग कारित करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं जुर्माना

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। सहा.जि.लोक अभि.अधि. ऋषिकांत द्विवेदी ने बताया कि, दिनाँक 28 अगस्त 2024 को महिला थाना पन्ना में फरियादिया/पीड़िता ने अपने पिता के साथ थाना उपस्थित आकर जुबानी रिपोर्ट किया कि मैं घर मे मम्मी पापा के साथ रहती हूं। मेरी तीन बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है मैं सबसे छोटी हूं।

दिनांक 28 अगस्त 2024 को समय सुबह करीब 09.30 बजे अपनी साइकिल से कोचिंग से घर वापस आ रही थी तभी वहां पर सामने से आ रहे एक आदमी ने मेरी साइकिल में धक्का देकर मुझे गिरा दिया और मेरा मुंह दबा दिया और दूसरे हाथ से मुझे खींचकर नाले में ले गया। मैं चिल्ला रही थी तभी वहाँ से निकलते हुए मेरे भाई ने मेरी आवाज सुनी और वहीं मौके पर आकर उसे पकड लिया और उससे नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम बाबू गौड बताया था जब मेरे भाई उसे लेकर पुलिस के पास जाने लगे तो वह उनसे हाथ छुडाकर भाग गया जिसके बाद मुझे मेरे भाई घर लेकर गए जहां मैने घर पर घटना की सारी बात बताई थी। फरियादिया की रिपोर्ट पर अभियुक्त के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना मे लिया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय अरविन्द कुमार शर्मा, विशेष न्यायाधीश(पॉक्सो एक्ट) जिला पन्ना के न्यायालय मे प्रकरण का विचारण हुआ। शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक/सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीराम यादव द्वारा की गयी। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से सहमत होते हुए माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी-बाबू गौंड़ को धारा 65(1) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 10000/- रूपए का अर्थदण्ड, धारा 115(2) बीएनएस में 06 माह का कठोर कारावास एवं 1000 रूपए के अर्थदण्ड एवं धारा 126(2) बीएनएस में 01 माह का सादा कारावास एवं 1000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय द्वारा अभियोक्त्री/पीड़िता के मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक व आर्थिक परिस्थिति को देखते हुए पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत राशि 2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रूपए) प्रतिकर की राशि प्रदान करने का आदेश दिया गया।

ठंड ने दिखाया अपना असर

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। अभी सर्दी की शुरूआत ही हुई है कि लोगों का शरीर इससे प्रभावित होने लगा है। मौसम में बदलाव के चलते नसें सिकुड़ रही हैं, जिससे दिल से दिमाग तक रक्त को पहुंचने में जद्दोजहद करनी पड़ रही है। जिला अस्पताल में ऐसे 20 मरीज प्रतिदिन आ रहे हैं, जिनकी नसों में सिकुड़न या मांसपेशियों में खिंचाव से असहनीय दर्द हो रहा है।

इसको लेकर विशेषज्ञ एडवाइजरी भी जारी कर रहे हैं। फिजियोथेरेपिस्ट बताते हैं कि सर्दियों में धूप न निकलने की वजह से शरीर को गर्माहट और विटामिन डी नहीं मिल पाता है। इस पर भी जिन लोगों की दिनचर्या सुस्त है तो उन्हें मांसपेशियों में जकड़न की समस्या और भी ज्यादा बढ़ रही है। चिकित्सकों का कहना है कि नसों की सिकुड़न और मासपेशियों में खिंचाव के चलते असहनीय दर्द उन लोगों ने अधिक हो रहा है, जिनका काम लंबे समय तक बैठने का है। ऐसे लोग काम के बीच में आधे घंटे या 50 मिनट के अंतराल पर वॉक जरूर करें।

उच्च शिक्षा विभाग अपने ही गाइड लाइन पर नहीं कायम, अतिथि विद्वान परेशान

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 नवंबर। उच्च शिक्षा विभाग की कार्यशैली से अतिथि विद्वान परेशान हैं। विभाग ने चॉइस फिलिंग प्रक्रिया के लिए दो बार नोटिफिकेशन जारी किया। दोनों बार नोटिफिकेशन रद्द कर दिए गए। उच्च शिक्षा विभाग की कथनी और करनी में फर्क से पंजीकृत अतिथि विद्वान गहरी परेशानी में हैं।

विभाग की कार्यशैली पर सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि उसने चॉइस फिलिंग प्रक्रिया के लिए दो बार नोटिफिकेशन जारी किए और दोनों बार उसे रद्द भी कर दिया।

दो नोटिफिकेशन और दोनों निरस्त:- विभाग ने वर्ष 2023 से अब तक अतिथि विद्वानों की नई भर्ती शुरू नहीं की है। इस दौरान दो बार भर्ती कैलेंडर जारी कर निरस्त किया गया। पहला नोटिफिकेशन 2 सितंबर और दूसरा 19 अक्टूबर को जारी हुआ, लेकिन दोनों को ही बाद में रद्द कर दिया गया। इस वजह से न केवल प्रक्रिया रुकी रही बल्कि उम्मीदवारों में भी गहरा असंतोष फैल गया। 2023 की नियमावली के अनुसार, एक शैक्षणिक सत्र में अतिथि विद्वानों का स्थानांतरण केवल एक बार किया जा सकता है। साथ ही, फॉलेन आउट अतिथि विद्वानों को भी एक ही बार चॉइस फिलिंग का अवसर देने का प्रावधान है। लेकिन विभाग ने अपनी ही गाइडलाइन को नजर अंदाज करते हुए, महीने में दो बार फॉलेन आउट प्रक्रिया चलाकर विद्वानों को नई जॉइनिंग के मौके दे दिए।

सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति से बढ़ा असंतोष:- उच्च शिक्षा विभाग ने 2022 बैच के सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की जॉइनिंग शुरू कर दी है। इस कदम से पहले से कार्यरत कई अतिथि विद्वान फॉलेन आउट सूची में चले गए हैं। शासन के नए निर्देशों के कारण अब हर माह दो बार चॉइस फिलिंग और स्थान परिवर्तन का मौका दिया जा रहा है।

निर्णयों में असमंजस से प्रभावित हो रहे नए आवेदक:- विभाग के बार-बार बदलते फैसलों ने 2023 और 2024 में पंजीकृत एवं सत्यापित अतिथि विद्वानों की उम्मीदों पर असर डाला है। कई आवेदकों का कहना है कि विभाग खुद अपने ही निर्णयों को लेकर असमंजस में है। नियमों में निरंतर बदलाव और अधूरी प्रक्रियाओं ने भर्ती व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उच्च शिक्षा विभाग की असंगत नीतियां और अस्थिर निर्णय भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है।

डिप्लायमेंट से हटा रहे अतिथि विद्वान

बताया गया कि चालू शिक्षा सत्र मेंरी डिप्लायमेंट के आधार पर 535 प्रोफेसरों को एक कालेज से दूसरे कालेज में भेजा गया और बाद में इन्हें वहीं नियमित पदस्थ कर दिया गया। जहां डिप्लायमेंट में पदस्थ किया गया। इसका खामियाजा अतिथि विद्वानों को भुगतना पड़ रहा है। 25 साल से नेता फुटबॉल की तरह खेल रहे हैं। संघर्ष मोर्चा का कहना है कि वर्ष 1993 से वर्ष 2017 तक सामान्य वर्ग की पीएससी परीक्षा सहायक प्राध्यापक के लिए नहीं हुई थी और इस व्यवस्था में अब पहले से काम कर रहे युवा उम्र दराज हो चुके हैं। इस उम्र में पीएससी की तैयारी करना संभव नहीं है।

दो साल पहले 11 सितंबर 2023 को घोषणाएं हुई थीं

विधानसभा चुनाव 2023 के पहले 11 सितम्बर 2023 को अतिथि विद्वान महा पंचायत में हुई घोषणाएं तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री और वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में हुई थीं। इसमें यह ऐलान किए गए थे। अतिथि विद्वानों को 1500 कार्य दिवस मानदेय की जगह फिक्स वेतन 50000 दिया जाएगा अतिथि विद्वानों के पद भरे हुए माने जाएंगे, उनको नौकरी से बाहर फॉलेन आउट नहीं किया जाएगा अतिथि विद्वानों को शासकीय सेवकों की तरह सभी सुविधाएं दी जाएंगी।